2-Day Zonal Workshop on eTransport – *eTRANS-2025* conducted at Hotel Mount View, Chandigarh

NIC in collaboration with the Ministry of Road Transport & Highways (MoRTH) organized a 2-day zonal workshop titled "**eTRANS-2025"** from June 16-17, 2025 at Hotel Mount View, Chandigarh. Representatives from 12 states and union territories: Jammu & Kashmir, Ladakh, Himachal Pradesh, Uttarakhand, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Gujarat, Rajasthan, Punjab, Haryana, Chandigarh, and Delhi attended the workshop.

The workshop was inaugurated by **Shri Anil Vij**, **Hon'ble Minister of Transport, Power and Labour, Government of Haryana**. The inaugural session commenced with the traditional **lighting of the lamp** ceremony, followed by the **felicitation of dignitaries**. A warm welcome address was delivered by **Shri Joydeep Shome**, **Deputy Director General & HoG, eTransport, NIC HQ**.

The opening remark was given by **Shri Inder Pal Singh Sethi, Deputy Director General & State coordinator for Haryana** emphasized on need and importance of the eTransport workshop. He stated that **e-Transport system** is a critical component of digital governance, aimed at transforming the transport sector by integrating technology-driven solutions

Sh. Anil Vij, Hon'ble Minister in his inaugural address emphasized on importance of Technology in Governance. He stated that under the nation's ongoing digital initiatives, various schemes are being digitized across the country. He underscored the importance of leveraging technology to strengthen administrative systems and reduce human intervention. The digitization of government services, he noted, is a crucial step toward building a more efficient and accountable system.

Shri V. Umashankar, IAS, Secretary, Ministry of Road Transport and Highways (MoRTH), Government of India highlighted the Role of Data and Technology in Governance. Shri Umashankar addressed the audience via video conference and highlighted the significance and necessity of organizing such workshops. He emphasized the effective use of data and emerging technologies in enhancing governance. Shri Umashankar shared that numerous government services have been made *faceless*, which has significantly simplified procedures for citizens. This transformation, he noted, not only helps eliminate corruption but also results in substantial savings of time and resources, making service delivery more transparent and efficient.

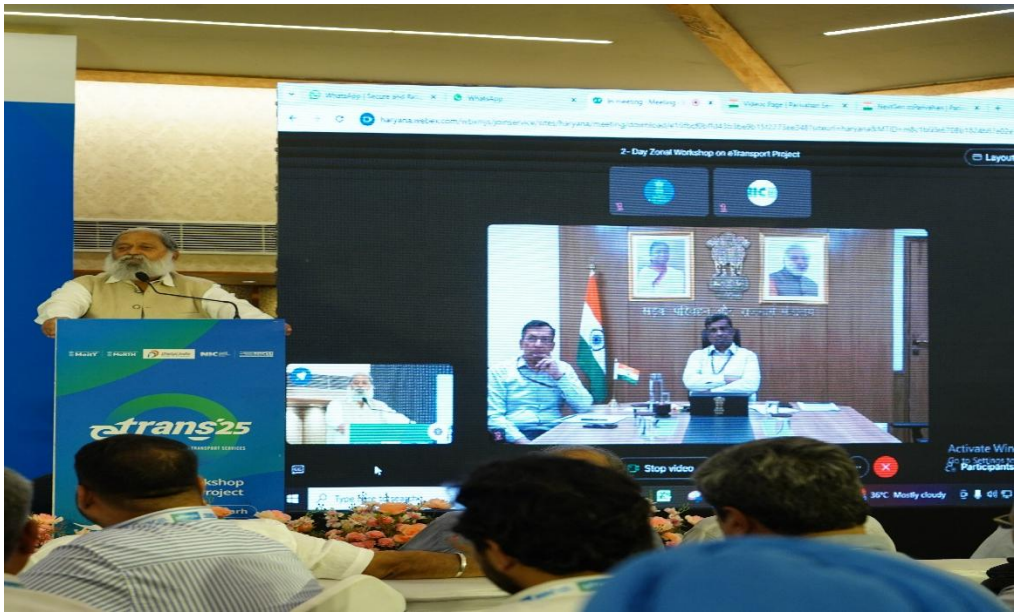

On Day-1, a briefed presentation was made by **Shri Joydeep Shome**, **Deputy Director General & HoG, eTransport, NIC HQ on eTransport.**

On Day-1 and 2, the detailed presentations on various initiatives within the e-Transport system such as Vahan, Sarathi, eChallan, mParivahan, PUCC, Aadhaar Authentication online services, ITS, ICCC, VVMP, Dashboard & Analytics Portal, eDetection, Cashless Scheme, Sanjaya, eDAR and Bhashini Portal were delivered by officers from NIC and MoRTH.

Presentations by state officials on new initiatives, achievements, and suggestions were also made, followed by a discussion session.

A cultural programme was also **hosted** on 16/06/2025 to familiarize the delegates with Haryana's vibrant culture, and it received high appreciation from the participants.

Shri Sarbjeet Singh, Deputy Director General and State Informatics Officer (SIO), NIC Haryana expressed sincere appreciation for the enthusiastic participation of state government officials and professionals throughout the workshop. He underscored the significance of their active engagement in exploring and utilizing the various modules of the e-Transport system.

Shri Singh also extended heartfelt thanks to the distinguished speakers for their insightful presentations and valuable contributions. He noted that their expertise and comprehensive explanations greatly enhanced the participants' understanding of the system and its potential benefits, paving the way for more effective implementation across departments.

The Commissioner and Secretary, Transport Department Haryana Sh. T.L. Satyaprakash, officers from the Ministry of Road Transport and Highways, Government of India and representatives from the Transport Department and NIC from 12 states and Union Territory were also present at the workshop.

Some Glimpses of the Event

The event featured a series of impactful presentations, interactive discussions, and knowledge-sharing sessions on various e-Transport initiatives. Enthusiastic participation from officials across states added value to the workshop. A cultural programme showcasing Haryana's traditions further enriched the experience and was widely appreciated by all delegates.

Sarathi – Overview of Services
Learner License
Driving License
Conductor License
PSV Batches
Online LL Test (STALL)
Driving Training School
International Driving Permit
Accredited Driving Testing Centre
Aadhaar Integration – Auth/eKYC
Single Sign-on
Camp Office LL Module
Online, Faceless Services
eTrans25

Vahan-Application stack
eTrans25

Time Line
eTrans25

eTrans25

MeitY
MoRTH
Digital India
NIC

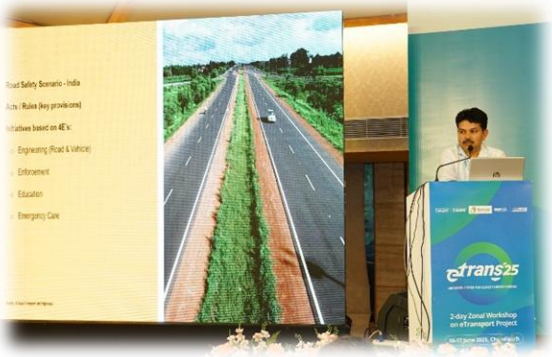
Road Safety Scenario - India
Acts / Rules (key provisions)
Initiatives based on 4E's:
Engineering (Road & Vehicle)
Enforcement
Education
Emergency Care
eTrans'25
2-day Zonal Workshop
on eTransport Project

Newspaper Clippings :-

यदि हम तकनीक के साथ नहीं चलेंगे तो दुनिया में पिछड़ जाएंगे : विज

■परिवहन मंत्री बोले, डिजिटल पहल के अंतर्गत सारे देश में योजनाओं का हो रहा डिजीटलीकरण

चंडीगढ़, 16 जून (पांडेय): हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने सोमवार को कहा कि डिजिटल पहल के अंतर्गत सारे देश में योजनाओं का डिजीटलीकरण किया जा रहा है क्योंकि यदि हम तकनीक के साथ नहीं चलेंगे तो दुनिया में पिछड़ जाएंगे। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि हरियाणा में परिवहन क्षेत्र को तकनीक/डिजीटलीकरण के सहारे आगे बढ़ाया जा रहा है और भ्रष्टाचार पर नकेल कसने का पूरा प्रयास किया जा रहा है ताकि लोगों को सुगम रूप से परिवहन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। विज ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए हरियाणा में फोर-ई अर्थात शिक्षा, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग और पर्यावरण एवं आपातकाल पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है।

विज सोमवार को चंडीगढ़ में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा आयोजित की जा रही दो दिवसीय परिवहन क्षेत्रीय कार्यशाला के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय मंत्रालय सहित 12 राज्यों के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यशाला में केन्द्रीय मंत्रालय व एन.आई.सी. सहित हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, लदाख, दिल्ली तथा चंडीगढ़ के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

परिवहन प्रणाली को नियंत्रित करने व पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक पर पूर्णतः उतरना होगा: परिवहन मंत्री विज ने हाल ही में भारत-पाकिस्तान के युद्ध तथा वर्तमान में ईरान व इजराइल युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि आज के युग में युद्ध भी तकनीक के आधार पर लड़ा जाता है। इसका बेहतरीन नमूना हाल ही में भारत की ब्रहमोस मिसाइल का है जिसने पाकिस्तान में जाकर सटीक निशाने लगाए है। इसी प्रकार, ईरान में इजराइल ने तकनीक का सहारा लेते हुए ईरान के न्यूक्लियर वैज्ञानिकों को निशाना बनाया है। इसी तरह, परिवहन प्रणाली को नियंत्रित करने व पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक पर पूर्णतः उतरना होगा ताकि हमें यह पता रहे कि कौन सी गाड़ी किस प्रदेश में किस जगह पर किसी स्पीड से जा रही है। विज ने प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के विजन की बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश की श्रेणी में लाना चाहते हैं और इस लक्ष्य को पाने के लिए हमें तकनीक का सहारा जरूरी है। इसी प्रकार विज ने कहा कि ई-परिवहन प्रणाली को ओर अधिक पुख्ता बनाने के लिए हमें आगे बढ़ना होगा और इस दिशा में हम अपने अनुभवों व विचारों को साझा करके इस प्रणाली में सुधार ला सकते हैं।

हमें भारतवर्ष को 2047 तक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाना होगा: परिवहन मंत्री ने आए हुए राज्यों के प्रतिभागियों में लोगों की सेवा करने की दिशा में कार्य करने के उद्देश्य के तहत उदाहरण देते हुए कहा कि आज हमने दिया जलाकर इस कार्यशाला का शुभारंभ किया है और यह हमारी परंपरा रही है। मैं इस बात से यह समझता हूं कि यह दिया मुझे अंधेरे से रोशनी में ले जाओ का प्रतीक है। इसलिए आने वाली पीढ़ियों के लिए संसार में उजाला करने हेतु आखिरी सांस तक दिया की बाती की जलना होगा और भारतवर्ष को 2047 तक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाना होगा। आज के युग में डाटा के बारे में जिक्र करते हुए विज ने कहा कि आज हर चीज का डाटा उपलब्ध है और हम सड़क पर आने वाली प्रत्येक गाड़ी को अपने आनलाईन डाटा के सिस्टम के साथ जोड़ेंगे।

-चंद्रशेखर धरणी

तकनीक के साथ नहीं चलेंगे तो पिछड़ जाएंगे : विज

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन

- **कहा, भ्रष्टाचार पर नकेल कसने का पूरा प्रयास किया जा रहा है ताकि लोगों को सुगम रूप से परिवहन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें**

चंडीगढ़, लोकसत्य

हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि डिजीटल पहल के अंतर्गत सारे देश में योजनाओं का डिजीटलीकरण किया जा रहा है क्योंकि यदि हम तकनीक के साथ नहीं चलेंगे तो दुनिया में पिछड जाएंगे। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि हरियाणा में परिवहन क्षेत्र को तकनीक/डिजीटलीकरण के सहारे आगे बढ़ाया जा रहा है और भ्रष्टाचार पर नकेल कसने का पूरा प्रयास किया जा रहा है ताकि लोगों को सुगम रूप से परिवहन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। विज ने कहा कि सडक दुर्घटनाओं को कम करने के लिए हरियाणा में फोर-ई अर्थात शिक्षा, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग और पर्यावरण एवं आपातकाल पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है। विज यहां केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा आयोजित की जा रही दो दिवसीय परिवहन क्षेत्रीय कार्यशाला के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर केन्द्रीय मंत्रालय सहित 12 राज्यों के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

इस कार्यशाला में केन्द्रीय मंत्रालय व एनआईसी सहित हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, लदाख, दिल्ली तथा चण्डीगढ के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। विज ने हाल ही में

भारत-पाकिस्तान के युद्ध तथा वर्तमान में ईरान व इजराइल युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि आज के युग में युद्ध भी तकनीक के आधार पर लडा जाता है। इसका बेहतरीन नमूना हाल ही में भारत की ब्रहमोस मिसाइल का है जिसने पाकिस्तान में जाकर सटीक निशाने लगाए है। इसी प्रकार, ईरान में इजराइल ने तकनीक का सहारा लेते हुए ईरान के न्यूक्लियर वैज्ञानिकों को निशाना बनाया है। इसी तरह, परिवहन प्रणाली को नियंत्रित करने व पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक पर पूर्णतः उतरना होगा ताकि हमें यह पता रहे कि कौन सी गाडी किस प्रदेश में किस जगह पर किसी स्पीड से जा रही है।

उन्होंने प्रतिभागियों को अवगत कराया कि इस दो दिवसीय कार्यशाला में केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आना था और हम उनके स्वागत के लिए पलकें बिछाए बैठे थे। इसी प्रकार, विज ने कहा कि इस कार्यशाला में केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर हमारे साथ वर्चुअल जुडे हुए हैं। उन्होंने उमाशंकर के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि आईटी को सीख लेना एक बात है लेकिन लोगों के कल्याण के लिए आईटी का इस्तेमाल करना दूसरी बात है और उमाशंकर ने लोगों के कल्याण के लिए आईटी भरपूर प्रयोग किया है।

Chandigarh 17-06-2025
http://epaper.loksatya.com/
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक लोकसत्य

सुविधा

एम-परिवहन एप ने वाहन चालकों के लिए आसान की सेवाएं, देशभर में ई-ट्रांसपोर्ट सेवाओं को लागू करने के लिए 75 एप किए तैयार

अब एप से बनवाएं ड्राइविंग लाइसेंस, चालान भी भर सकेंगे

अरुण शर्मा

चंडीगढ़। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ई-ट्रांसपोर्ट सेवाओं को और विस्तार देने की तैयारी शुरू कर दी है। अब लोग एप के माध्यम से ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने से लेकर चालान का भी ऑनलाइन शुल्क जमा करा सकेंगे। इसके अलावा वाहनों को खरीदने-बेचने, पता बदलने से लेकर दूसरी सभी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

एनआईसी (राष्ट्रीय सूचना केंद्र) दिल्ली के उप महानिदेशक जयदीप सोम ने बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ई-ट्रांसपोर्ट सेवाओं के 75 एप एम-परिवहन सेवाओं से जोड़े गए हैं। कई एप पहले से काम कर रहे हैं और कुछ एप की सेवाओं में विस्तार किया गया है।

खास खबर

एम-परिवहन एप के माध्यम से राज्य बदलने पर संबंधित राज्य में पंजीकरण कराने से लेकर नया लाइसेंस, अंतरराष्ट्रीय लाइसेंस, परमिट से लेकर टैक्स भी जमा करा सकते हैं। आरसी (रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट) की डुप्लीकेट कॉपी भी पा सकते हैं।

हरियाणा-चंडीगढ़ में भी होगा सेवाओं का विस्तार

जयदीप सोम, डिप्टी डायरेक्टर जनरल, एनआईसी दिल्ली।

■ देशभर में ई-ट्रांसपोर्ट सेवाओं के विस्तार के लिए चंडीगढ़ में 12 राज्यों के प्रतिनिधियों ने मंथन किया। ई-ट्रांसपोर्ट सेवाओं को लागू करने को लेकर विशेषज्ञों ने मंथन किया। उप महानिदेशक जयदीप सोम ने बताया कि कुछ राज्यों में सेवाओं का विस्तार होगा, इनमें चंडीगढ़ और हरियाणा भी शामिल हैं। वाहन एप के माध्यम से वाहन पंजीकरण, फिटनेस, ऋण पाने, ऋण खत्म कराने, आरसी का स्मार्ट कार्ड बनवाने, वाहन बेचने से लेकर नए स्वामी का नाम तक दर्ज करा सकते हैं। इन सभी सेवाओं के लिए कहीं चक्कर नहीं काटने होंगे।

इसी तरह से ई-चालान सेवाओं का भी वाहन चालक लाभ उठा सकते हैं। लाल बत्ती क्रॉस करने का चालान हो या फिर नशा करके वाहन चलाने का चालान या अन्य किसी भी प्रकार का चालान हो, मोबाइल में एप डाउनलोड करने के बाद इससे चालान का शुल्क जमा करा सकते हैं। चालान भरते समय चालान का कारण भी देख सकते हैं।

इस तरह से उठा सकते हैं सेवाओं का लाभ

वाहन चालक किसी भी सेवा का लाभ लेने के लिए सबसे पहले एम-परिवहन एप को डाउनलोड कर लें। फिर तय करें कि उन्हें किस सेवा का लाभ उठाना है। जैसे सारथी एप से ड्राइविंग लाइसेंस बनवा सकते हैं। केवल ड्राइविंग लाइसेंस के टेस्ट या वाहनों के फिटनेस के लिए ही परिवहन कार्यालय जाना होगा। शेष सभी कार्य एप के माध्यम से करा सकते हैं। इसके लिए आनलाइन आवेदन के दौरान आधार से सत्यापन कराना होगा। वहीं, चालान कटने की स्थिति में पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस भी आएगा।

Haryana focuses on 'Four Es' to reduce road accidents: Anil Vij

PNS ■ CHANDIGARH

To reduce road accidents, Haryana Transport Minister Anil Vij on Monday said that the State Government is giving special focus on the "Four Es": Education, Enforcement, Engineering, Environment, and Emergency. The transport sector in Haryana is progressing through technology and digitization, with concerted efforts to curb corruption and ensure smooth and efficient transport services for the public. Vij made these remarks while addressing the inaugural session of the two-day workshop "e-Trans 2025" on the eTransport Project, organized by the Union Ministry of Road Transport and Highways and the National Informatics Centre (NIC) in Chandigarh. He said, "Under the digital initiative, schemes are being digitized across the country, emphasizing that without keeping pace with technology, we risk being left behind globally."Speaking on the issue of road accidents, Vij emphasized the need to leverage technology to reduce accidents and save precious lives. He noted that the unprecedented increase in vehicle traffic over the past two decades has led to a worrying rise in road accidents. This not only disrupts the livelihoods of families but also causes immense pain, suffering, and financial loss. Therefore, promoting road safety is of utmost importance.

Tech driving transport sector forward: Vij

CHANDIGARH: Haryana transport minister Anil Vij on Monday said that to reduce road accidents the state government is focusing on education, enforcement, engineering, environment and emergency. Vij was addressing the inaugural session "e-Trans 2025" organised by the Union ministry of road transport and highways and the NIC in Chandigarh. Participants from the Union ministry of road transport and highways, along with representatives from various states and UTs took part in the workshop. HTC

चंडीगढ़ में दो दिवसीय परिवहन क्षेत्रीय कार्यशाला, 12 राज्य ले रहे भाग

हरियाणा का 4-ई फार्मूला, हर जिले में होंगे ट्रेनिंग स्कूल

चंडीगढ़, 16 जून (ट्रिब्यू)

हरियाणा सरकार ने सड़क एवं परिवहन व्यवस्था में सुधार, दुर्घटनाओं को रोकने में नई तकनीक और डिजिटलीकरण का सहारा लिया जा रहा है। प्रदेश का परिवहन विभाग 4-ई के फार्मूले पर काम कर रहा है। इसके तहत सड़क दुर्घटनाओं को कम करने केलिए शिक्षा, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग तथा आपातकाल और पर्यावरण पर विशेष फोकस किया जा रहा है। सोमवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा चंडीगढ़ में शुरू की गई दो दिवसीय परिवहन क्षेत्रीय कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि हरियाणा के परिवहन, बिजली व श्रम मंत्री अनिल विज ने हरियाणा का रोडमैप पेश किया।

इस कार्यशाला में केंद्रीय मंत्रालय व एनआईसी सहित 12 राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इनमें हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, दिल्ली तथा केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ शामिल हैं। विज ने ड्राइविंग प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान हर जिले में स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल रोहतक, बहादुरगढ़

चंडीगढ़ में सोमवार को परिवहन कार्यशाला में बोलते हरियाणा के मंत्री अनिल विज।

■ शिक्षा, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग तथा पर्यावरण और आपातकाल पर विशेष फोकस

(झज्जर), करनाल और कैथल में 4 आईडीटीआर संचालित हैं। भिवानी में आईडीटीआर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और शीघ्र ही इसे चालू कर दिया जाएगा। नूंह और फरीदाबाद में आईडीटीआर की स्थापना के लिए एक सामान्य वास्तुकार सलाहकार का चयन किया है। गुरुग्राम में क्षेत्रीय ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र (आरडीटीसी) की स्थापना के लिए संशोधित लेआउट योजना को सरकार द्वारा अनुमोदित किया है। बाकी जिलों में आईडीटीआर की स्थापना का कार्य विभाग के विचाराधीन है।

इसी प्रकार ई-विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट पोर्टल केंद्रीय मंत्रालय की एक बेहतरीन पहल है। इसका उद्देश्य सड़क दुर्घटना डेटा एकत्रित करना, उसका विश्लेषण करके उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करना और सुधारात्मक उपाय सुझाकर देश-प्रदेश में सड़क सुरक्षा में सुधार करना है। इन दुर्घटनाओं के संभावित कारणों की पहचान करने के लिए एकत्रित डेटा का विश्लेषण किया जाता है। विज ने कहा कि 'संजया' पोर्टल एक लोकेशन इंटेलिजेंस और क्रैश-विजुअलाइजेशन प्लेटफॉर्म है। इसे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रोड सेफ्टी, आईआईटी मद्रास ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के तत्वावधान में विकसित किया है। यह पोर्टल हितधारकों को उच्च आवृत्ति दुर्घटना हॉटस्पॉट और उभरते ब्लैक स्पॉट की पहचान करने और लक्षित हस्तक्षेप की योजना बनाने में सक्षम बनाता है। विज ने कहा कि सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना-2025 एक अच्छी योजना है। केंद्रीय मंत्रालय ने दुर्घटना पीड़ितों को चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए इस योजना की शुरूआत की है। इसके तहत सड़क दुर्घटना के पीड़ित दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिनों की अवधि के लिए डेढ़ लाख रुपये तक का उपचार प्राप्त कर सकते हैं।

डिजिटल पहल के अंतर्गत सारे देश में योजनाओं का डिजिटलीकरण किया जा रहा : अनिल विज

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि डिजिटल पहल के अंतर्गत सारे देश में योजनाओं का डिजिटलीकरण किया जा रहा है क्योंकि यदि हम तकनीक के साथ नहीं चलेंगे तो दुनिया में पिछड़ जाएंगे। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि हरियाणा में परिवहन क्षेत्र को तकनीक/डिजिटलीकरण के सहारे आगे बढ़ाया जा रहा है और भ्रष्टाचार पर नकेल कसने का पूरा प्रयास किया जा रहा है ताकि लोगों को सुगम रूप से परिवहन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

श्री विज ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए हरियाणा में फोर-ई अर्थात शिक्षा, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग और पर्यावरण एवं आपातकाल पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है।

श्री विज आज यहां चण्डीगढ में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा आयोजित की जा रही दो दिवसीय परिवहन क्षेत्रीय कार्यशाला के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर केन्द्रीय मंत्रालय

सहित 12 राज्यों के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यशाला में केन्द्रीय मंत्रालय व एनआईसी सहित हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, दिल्ली तथा चण्डीगढ के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

परिवहन मंत्री श्री विज ने हाल ही में भारत-पाकिस्तान के युद्ध तथा वर्तमान में ईरान व इजराइल युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि आज के युग में युद्ध भी तकनीक के आधार पर लडा जाता है। इसका बेहतरीन नमूना हाल ही में भारत की ब्रहमोस मिसाइल का है जिसने पाकिस्तान में जाकर सटीक निशाने लगाए है। इसी प्रकार, ईरान में इजराइल ने तकनीक का सहारा लेते हुए ईरान के न्यूक्लियर वैज्ञानिकों को निशाना बनाया है। इसी तरह, परिवहन प्रणाली को नियंत्रित करने व पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक पर पूर्णत: उतरना होगा ताकि हमें यह पता रहे कि कौन सी गाड़ी किस प्रदेश में किस जगह पर किसी स्पीड से जा रही है।

प्रधानमंत्री वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश की श्रेणी में लाना चाहते हैं- विज

श्री विज ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश की श्रेणी में लाना चाहते हैं और इस लक्ष्य को पाने के लिए हमें तकनीक का सहारा लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ई-परिवहन प्रणाली को ओर अधिक पुख्ता बनाने के लिए हमें आगे बढना होगा और इस दिशा में हम अपने अनुभवों व विचारों को सांझा करके इस प्रणाली में सुधार ला सकते हैं।

तकनीक की मदद से सड़क दुर्घटनाओं में 50% कमी लाने का लक्ष्य, अफसरों ने किया मंथन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़ : देश में 2030 तक दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य है। डेटा और नई तकनीक के माध्यम से इस उद्देश्य को हासिल करने की कोशिश होगी। सड़कों पर सुरक्षित सफर सुनिश्चित करने और दुर्घटनाओं में कमी लाने पर सोमवार को चंडीगढ़ में परिवहन क्षेत्रीय कार्यशाला शुरू हो गई।

परिवहन क्षेत्रीय कार्यशाला में 12 राज्यों के प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। इनमें केंद्रीय मंत्रालय व एनआइसी सहित हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, दिल्ली तथा चंडीगढ़ के प्रतिनिधि शामिल हैं। दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए परिवहन मंत्री अनिल विज ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में ड्राइविंग प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान खोले जाएंगे। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए फोर-ई अर्थात शिक्षा, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग और पर्यावरण एवं आपातकाल पर फोकस किया जा रहा है। परिवहन मंत्री ने कहा कि परिवहन प्रणाली को नियंत्रित करने व पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक

परिवहन क्षेत्रीय कार्यशाला हुई शुरू, सड़कों पर सुरक्षित सफर सुनिश्चित करने और दुर्घटनाओं में कमी लाने पर मंथन

की सहायता लेनी होगी ताकि पता रहे कि कौन सी गाड़ी किस प्रदेश में किस जगह पर किसी स्पीड से जा रही है। ई-परिवहन प्रणाली को और पुख्ता बनाने के लिए आगे बढ़ना होगा। देशभर में एक जनवरी 2023 से 31 मार्च 2025 तक 10 लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाएं घटित हुई हैं। इनमें 23 हजार से अधिक सड़क दुर्घटनाएं हरियाणा में घटित हुई हैं। उन्होंने बताया कि ई-विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट पोर्टल केंद्रीय मंत्रालय की एक बेहतरीन पहल है जिसका उद्देश्य सड़क दुर्घटना डेटा एकत्रित करना, उसका विश्लेषण करके उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करना और सुधारात्मक उपाय सुझाकर देश-प्रदेश में सड़क सुरक्षा में सुधार करना है।

नहीं पहुंच सके नितिन गडकरी : कार्यशाला में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को आना था, लेकिन वह किन्हीं कारणों से इसमें शामिल नहीं हो पाए। कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी उमाशंकर ने कहा कि परिवहन क्षेत्र में नई पहल और अनेक सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं जिनका देश के नागरिकों को लाभ मिला है। अनेक सेवाओं को फेसलेस किया है जिससे लोगों का जीवन सरल बना है और समय व धन की बचत हुई है। ट्रैफिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में अत्याधुनिक ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर खोलने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शॉट दी जाती है। सभी प्रदेश इस शॉट का अधिक से अधिक उपयोग कर इन सेंटरों को जिला स्तर पर खोलें। भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए हमें तकनीक और डाटा का उपयोग अधिक करना होगा। कार्यशाला में हरियाणा परिवहन विभाग के आयुक्त एवं सचिव टीएल सत्यप्रकाश, परिवहन आयुक्त अतुल कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (ट्रैफिक) एपएस दून ने भी अपनी बात रखी।

डिजीटल पहल के अंतर्गत सारे देश में योजनाओं का डिजीटलीकरण किया जा रहा : अनिल विज

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने आज कहा कि डिजीटल पहल के अंतर्गत सारे देश में योजनाओं का डिजीटलीकरण किया जा रहा है क्योंकि यदि हम तकनीक के साथ नहीं चलेंगे तो दुनिया में पिछड जाएंगें। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि हरियाणा में परिवहन क्षेत्र को तकनीक /डिजीटलीकरण के सहारे आगे बढाया जा रहा है और भ्रष्टाचार पर नकेल कसने का पूरा प्रयास किया जा रहा है ताकि लोगों को सुगम रूप से परिवहन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। विज ने कहा कि सडक दुर्घटनाओं को कम करने के लिए हरियाणा में फोर-ई अर्थात शिक्षा, प्रवर्तन, इंजीनियरिंग और पर्यावरण एवं आपातकाल पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है। विज आज यहां चण्डीगढ में केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा आयोजित की जा रही दो दिवसीय परिवहन क्षेत्रीय कार्यशाला के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर केन्द्रीय मंत्रालय सहित 12 राज्यों के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

इस कार्यशाला में केन्द्रीय मंत्रालय व एनआईसी सहित हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, लदाख, दिल्ली तथा चण्डीगढ के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। परिवहन मंत्री विज ने हाल ही में भारत-पाकिस्तान के युद्ध तथा वर्तमान में ईरान व इजराइल युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि आज के युग में युद्ध भी तकनीक के आधार पर लडा जाता है। इसका बेहतरीन नमूना हाल ही में भारत की ब्रहमोस मिसाइल का है जिसने पाकिस्तान में जाकर सटीक निशाने लगाए है। इसी प्रकार, ईरान में इजराइल ने तकनीक का सहारा लेते हुए ईरान के न्यूक्लियर वैज्ञानिकों को निशाना बनाया है। इसी तरह, परिवहन प्रणाली को नियंत्रित करने व पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक पर पूर्णत: उतरना होगा ताकि हमें यह पता रहे कि कौन सी गाडी किस प्रदेश में किस जगह पर किसी स्पीड से जा रही है। विज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन की बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश की श्रेणी में लाना चाहते हैं और इस लक्ष्य को पाने के लिए हमें तकनीक का सहारा जरूरी है।